PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

अक्षर

- जिस ध्वनि या ध्वनि समूह का उच्चारण एक ही श्वास मे होता है, उसे अक्षर कहते है।

जैसे -

आ, तोप, आम, च, झ

व्यंजन गुच्छ

- जब दो व्यंजनों के बीच मे कोई स्वर ध्वनि न होतो वे जुड़कर उच्चारित हो। ,

जैसे -

क्या ,प्यास ,श्लोक ,क्यारी ,प्यार

पंचमाक्षर नियम

- हिन्दी मे अनुस्वार वर्णों की संख्या 5 (ड़, ञ, ण, न, म) है। ये पंचमाक्षर कहलाते है। संस्कृत भाषा के अनुसार शब्द का अन्तिम अक्षर जिस वर्ण का हो उसके पहले उसी वर्ण का पंचमाक्षर प्रयोग होता है।

जैसे -

क वर्ग - गड़ना

च वर्ग - व्यञ्जन

ट वर्ग - खण्ड, घण्टा

त वर्ग - सन्धि, पन्त

प वर्ग - कम्पन

- डा0 श्यामसुन्दर दास एवं अन्य विद्वानों का कथन हैं कि सभी पंचम वर्णों व्यंजनों के स्थान पर अनुस्वार का ही प्रयोग होना चाहिए। कम्प्युटर युग मे लिखने- पढ़ने मे सुविधाजनक होने के कारण इनका प्रयोग अब इस प्रकार होता है।

जैसे -

सन्धि को संधि

खण्ड को खंड

व्यञ्जन को व्यंजन

गड़्गा को गंगा

- नोट - नन्द, कन्द, मे आधा 'न्' का प्रयोग हुआ है यदि हम पंचमाक्षर का प्रयोग न कर नंद, कंद लिख दे तो गलत नहीं माना जायेगा। (पंचामाक्षर का प्रयोग वहीं पर करते है जहां लिखावट मे परेशानी हो (गन्ना को गंना, अन्ना को अंना, पन्ना को पंना नहीं लिखते है।)

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

बालाघात

- उच्चारण करते समय किसी पद पर जो बल पड़ता है। बालाघात कहलाता है

जैसे -

तुम जाओ (अन्य कोई जाए या न जाये)

मुझे आम चाहिए (और कुछ नहीं चाहिए)

मुझे एक खिड़की वाला मकान चाहिए (अन्य नहीं ,सिर्फ एक खिड़की वाला)

- वाक्य मे ही और भी के प्रयोग से बालाघात बन जाता है।

जैसे -

मुझे बम ही चाहिए।

प्रिया भी खेल सकती है।

अनुतान

- वाक्यो को बोलते समय सुर का उतरावचढ़ाव भिन्न होना।-

जैसे-

वहाँ तुम जाओगे। (सामान्य कथन)

वहाँ तुम जाओगे ? (प्रश्नवाचक)

वहाँ तुम जाओगे ! (विस्मयसूचक कथन)

निपात

- वाक्य मे किसी शब्द या पद के बाद जो अव्यय को लगाकर एक विशेष प्रकार का बल दिया जाता है।

जैसे -

मात्र, तक, भर, तक, भी आदि।

उदाहरण -

1. प्रिया तो अपने घर जाएगी।
2. साबरीन ने ही उसे मारा है।

- ऊपर दिये गये वाक्य मे तो, ही पर विशेष बल है, अतः ये निपात है।

3. वह भी हमीरपुर जाएगा।
4. किरन ने भी उसे बुलाया है।
5. पापा लखनऊ ही जा रहे है।
6. श्याम राम को जानता भर है।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

7. तुमनें खाया तक नहीं।
8. कब तक रोते रहोंगे?
9. वह तो आयी ही थी।
10. तो आप आ गए।
11. मुझे मात्र पाँच करोड़ रूपये चाहिए।

निपात के नौ प्रकार होते हैं-

(1) स्वीकारात्मक निपात (हाँ, जी, जी हाँ)

प्रश्न- आप स्कूल जा रहे हैं ?

उत्तर- जी हाँ।

(2) नकारात्मक निपात (नहीं, जी नहीं)

प्रश्न: तुम्हारे पास यह बम है ?

उत्तर- नहीं।

(3) निषेधात्मक निपात (मत)

मत- आज आप मत जाइए।

(4) आदरार्थक निपात (क्या, न)

क्या- तुम्हें वहाँ क्या मिलता है ?

न- तुम अँगरेजी पढ़ना नहीं जानते हो न ?

(5) तुलनात्मक (सा)

सा- इस लड़के सा पढ़ना कठिन है।

(6) विस्मयार्थक निपात (क्या, काश)

क्या- क्या सुन्दर लड़की है!

काश- काश ! वह न गया होता !

(7) बलार्थक या परिसीमक निपात (तक, भर, केवल, मात्र, सिर्फ, तो, भी, ही)

तक- मैंने उसे देखा तक नहीं। हमने उसका, नाम तक नहीं सुना।

भर- मेरे पास पुस्तक भर है। उसको अपनी कॉपी भर दे दो।

केवल- वह केवल सजाकर रखने की वस्तु है।

मात्र- वह मात्र सुन्दर थी, शिक्षित तो नहीं थी।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

ही- उसका मरना ही था कि घरघर बर्बाद हो गया।-का-

भी- मैं भी यहीं रहता हूँ।

(8) अवधारणबोधक निपात (ठीक, लगभग, करीब)

ठीक- ठीक समय पर पहुँचा। ठीक पाँच हजार रुपये उसने दिये।

लगभग- लगभग पाँच लाख विद्यार्थी इस वर्ष प्रवेशिका की परीक्षा दे चुके हैं।

करीब- इस समय करीब पाँच बजे हैं।

(9) आदरसूचक निपात (जी)

जी- यह निपात व्यक्तिवाचक या जातिवाचक नाम, उपाधि तथा पद आदि सूचित करने वाले संज्ञा शब्दों के बाद प्रयुक्त होता है।

जैसे -

गांधी जी, गुरु जी, शर्माजी,

अव्यय और निपात

- निपात नये भाव का निर्माण करते है। जबकि किसी भी वाक्य का अंग नहीं होते। तथा किसी भी प्रकार का लिंगभेद निपात में नहीं होता।
- जबकि अव्यय वचन, कारक, रूप की दृष्टि से सहायक होकर वाक्य का अंग बनते है।